MAHD-06

June - Examination 2017

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) चेतना प्रवाह पद्धति और पूर्वदीप्ति पद्धति का प्रयोग किस प्रकार के उपन्यास में किया जाता है?

(ii) प्रेमचन्द के उपन्यास 'प्रेमाश्रम' का प्रतिपाद्य संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

(iii) ''वेदना में शक्ति है जो दृष्टि देती है। जो यातना में है, वह दृष्टा हो सकता है।'' उक्त पंक्तियाँ किस उपन्यास की भूमिका में उद्धृत हैं?

(iv) कृष्णा सोबती की किन्हीं दो औपन्यासिक कृतियों को नामोल्लेख कीजिए।

(v) जयशंकर प्रसाद की 'मधुआ' कहानी किस कहानी संग्रह में संकलित है?

(vi) 'पत्नी' कहानी में पति और पत्नी के नाम क्या रखे गए?

(vii) 'टूटना' कहानी की मूल संवेदना लिखिए?

(viii) 'मेरा दुश्मन' कहानी में कृष्ण बलदेव वैद किस उलझन से जूझते हैं?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''अब मेरे सामने दो ही रास्ते हैं। एक यह है कि होश आने से पहले मैं उसे जान से मार डालूं और दूसरा यह है कि अपना जरूरी सामान बांधकर तैयार हो जाऊँ और ज्यूं ही उसे होश आये, हम दोनों फिर उसी रास्ते पर चल दें। जिससे भागकर कुछ बरस पहले मैंने माली की गोद में पनाह ली थी।''

3) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''सारा खेल रुपए का है, और अब रुपया कमाना है।'' उसने निश्चय किया और भूत की तरह रुपए के पीछे लग गया – भूल गया, कहीं कोई लीना है, कहीं कोई दीक्षित साहब हैं और कहीं कोई अतीत है। एक नौकरी पर पाँव टिका कर दूसरी का सौदा होता रहा..... पहला तल्ला..... दूसरा तल्ला..... और एक दिन उसे नौकरी दसवे तल्ले के इस चैम्बर में ले आई जिसके दरवाजे पर लिखा था, जनरल मैनेजर.....

4) निम्नलिखित प्रसंग की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''शशि; शक्ति मेरे पास रही है पर मैंने उसे जाना नहीं, आजीवन मैं विद्रोही रहा हूँ पर बराबर मैं अपनी विद्रोही शक्ति को व्यर्थ बिखेरता रहा हूँ.... एक दिन तुम्हारे ही मुख ने मुझे यह दिखाया कि लड़ना स्वयं साध्य नहीं है। लड़ने के लिए लड़ना निष्परिणाम है। विद्रोह किसी के विरुद्ध होना चाहिए– ईश्वर, समाज, रोग, मृत्यु, माता–पिता, अपने–आप, प्यार कुछ भी हो जिसके विरुद्ध विरोध किया जा सके।''

5) प्रेमचन्द की औपन्यासिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

6) 'समय–सरगम' उपन्यास की संवेदना को उद्‌घाटिद कीजिए।

7) 'जिंदगी और जोंक' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

8) ऐतिहासिक उपन्यास किसे कहते हैं? समझाइए।

9) फ्रायड के मनोविज्ञान ने अज्ञेय के उपन्यास कर्म को किस प्रकार प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) ''अज्ञेय कृत उपन्यास 'शेखर : एक जीवनी' एक व्यक्ति प्रधान मनोवैज्ञानिक उपन्यास है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

11) गोदान उपन्यास के कथा और शिल्प का विश्लेषण कीजिए।

12) ''ज्ञानरंजन कृत 'पिता' कहानी में दो पीढ़ियों के अंतर का संघर्ष विद्यमान है।'' कैसे? विवेचन कीजिए।

13) कहानी की परम्परा बताते हुए कहानी के वर्तमान दौर को उद्‌घाटित कीजिए।

———